>

Title: Need to appoint Vice –Chancellor and to commence classes in Central University in Jammu.

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू): सभापति महोदय, आपने मुझे एक बहुत ही अहम मुद्दे पर अपनी बात रखने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। सबसे पहले मैं आपके नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं और यह बात रजिस्टर करवाना चाहता हूं कि हम ऐसी रियासत में पैदा हुए हैं जहां पिछले 60 वर्षों से कुछ कुछ समस्या हो रही है। मैं जम्मू कश्मीर राज्य से आता हूं और पुंछ मेरे जम्मू पार्लियामेंट्री क्षेत्र में है। यह बात दुरुस्त है कि जम्मू कश्मीर में तीन रीजन हैं। लद्दाख, कश्मीर और जम्मू ये तीन रीजन हैं और तीनों रीजन की हवा, भाषा, रंग, पहनावा और खानपान एक-दूसरे से नहीं मिलता है। लेकिन हिन्दुस्तान की सरकार जम्मू-कश्मीर को एक नज़र से देखती है, यह अच्छी बात है। तीनों रीजन इकट्ठे भी रहने चाहिए जिसके हक में हमारी पार्टी है और मैं भी हूं। लेकिन जब कुछेक फैसले जो दो साल पहले सेन्ट्रल यूनिवर्सिटीज के लिए ऐलान किया गया और सारी रियासतों में एक-एक यूनिवर्सिटी दी गई लेकिन जम्मू के लिए जो यूनिवर्सिटी दी गई, उसका विवाद पैदा हो गया। विवाद पैदा हुआ तो मैं माननीय प्रधान मंत्री जी का और यूपीए की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मदाखलत किया और जम्मू को एक यूनिवर्सिटी दे दी। कश्मीर में यूनिवर्सिटी के चलते दो वर्ष हो गये लेकिन जम्मू की यूनिवर्सिटी की क्लासेज आज तक शुरु नहीं हुई और न ही उसका वाइस-चांसलर नियुक्त किया गया। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कितनी ज्यादती और कितनी बेइंसाफी जम्मू के लोगों के साथ होती है कि वो वहां की सरकार हो या यहां किसी का कोई नाराज हो गया हो, आप एक महीने से जम्मू के अंदर इस गर्मी और बरसात में सारे राजनैतिक दल सड़कों पर अपना धरना लगाये हुए हैं, सोशल ऑरगेनाइजेशंस धरने पर हैं और वहां कॉलिजेस, यूनिवर्सिटीज और स्कूल बंद हैं। छात्र रोज जुलूस निकालते हैं। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि दोनों का ऐलान इकट्ठा किया गया और कश्मीर में दो वर्ष से दूसरा सैशन शुरु हो गया, लेकिन जम्मू में अभी तक क्लासेज का नामोनिशान तक नहीं हुआ है। आज तक वाइस-चांसलर को नियुक्त नहीं किया गया। मैं समझता हूं कि जम्मू के लोगों के साथ यह बहुत बड़ी ज्यादती और नाइंसाफी है। मैंने परसों माननीय प्रधान मंत्री जी से भी बात की थी, मैं उनको इसके लिए धन्यवाद देता हूं। मैंने एचआरडी मिनिस्टर कपिल सिब्बल साहब से भी बात की थी। पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर पवन कुमार बंसल जी अभी यहां तशरीफ रखे हुए थे, ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : What do you want? Tell me.

श्री मदन लाल शर्मा : मैंने उनसे यह कहा कि मैं उन लोगों को क्या जवाब दूंगा जो मेरे क्षेत्र के लोग हैं और जो एक महीने से परेशान हैं। मैं उनका चौकीदार हूं। मैं उनकी बात अगर यहां सदन में नहीं करूंगा और मैं रूलिंग पार्टी से भी हूं तो मुझे बाहर धरने पर बैठना पड़ेगा। मैं मजबूर हूं। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You tell me what you want. What is your request? What is your demand?

श्री मदन लाल शर्मा : आपने मुझे उन लोगों की बात, उन लोगों की भावनाएं रखने का मुझे मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार को और खासकर एचआरडी मिनिस्टर साहब से निवेदन करना चाहता हूं कि जल्दी से जल्दी वाइस चांसलर की नियुक्ति की जाए और इसी वर्ष क्लासेज शुरु की जाए ताकि जम्मू के लोगों में जो गुस्सा है, उसको दूर किया जा सके और उनको इंसाफ मिले। मैं इतना ही कहकर अपनी बात समाप्त करता हूं और आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अर्जुन राम मेघवाल : सभापति महोदय, मैं भी इनकी इस बात का समर्थन करता हूं और अपने आपको इनके साथ एसोशिएट करता हूं।

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): सभापति महोदय, मैं भी श्री मदन लाल शर्मा जी द्वारा उठाये गये विषय से अपने को सम्बद्ध करता हूं।